## खबर संक्षेप

### नशीली दवाओं के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

**शहडोल।** जिले के धनपुरी थाना अंतर्गत 16 जुलाई को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि राहुल रमानी नाम का व्यक्ति, सिलपरी ग्राउण्ड में अपनी मोटर सायकल में अवैध नशीली दवाई कोरेक्स बिक्री करने के लिए रखे है। सूचना पर धनपुरी पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये पुलिस टीम गठित कर सिलपरी ग्राउण्ड धनपुरी में घेराबन्दी कर दबिश दी गई है, जो आरोपी राहुल रमानी पिता पुरूषोत्तम दास रमानी उम्र 24 साल निवासी हाल सूर्या मॉल के सामने ओपीएम अमलाई का दस्तयाब हुआ। तलाशी लेने पर झोला में 14 नग कोडीन युक्त नशीली दवाई कफ सिरफ कीमती 2,800 रूपये की बरामद हुई। आरोपी से पूछताछ में उसके द्वारा उक्त नशीली दवाई कोरेक्स को मुकेश सिंह से बिक्री करने के लिए खरीदकर लाना बताया। जिस पर पुलिस द्वारा आरोपी मुकेश सिंह की पता तलाश कर उसे ओपीएम अमलाई में श्रीवास्तव तिराहा से दस्तयाब किया गया। आरोपी राहुल रमानी के कब्जे से 14 नग कोरेक्स कफ सिरप, 01 नग मोबाइल एवं 01 नग मोटर सायकल एवं आरोपी मुकेश के कब्जे से एक मोबाइल जप्त कर दोनो आरोपियों के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट एवं म.प्र. ड्रग कन्ट्रोल अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। मामले से संबंधित एक आरोपी फरार है। जिसकी पता तलाश लगातार जारी है।

### जुताई के दौरान पलटा ट्रैक्टर इंजन, दबने से चालक की दर्दनाक मौत

**शहडोल।** जिले के ब्यौहारी थाना अंतर्गत देवराव गांव में एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां खेत की जुताई के दौरान ट्रैक्टर इंजन पलटने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब मृतक चालक सुदीप साहू ट्रैक्टर में कल्टीवेटर लगाकर खेत की जुताई कर रहा था। स्थानीय लोगों के अनुसार, बारिश के चलते खेतों में जुताई का कार्य तेजी से चल रहा है। इसी क्रम में सुदीप अपने गांव के ही मुनिराज सिंह के खेत की जुताई कर रहा था। तभी अचानक गीली और फिसलन भरी मिट्टी में ट्रैक्टर का पहिया धंस गया और ट्रैक्टर इंजन अनियंत्रित होकर पलट गया। इंजन के नीचे दबे सुदीप को बचाने के लिए ग्रामीणों ने काफी प्रयास किए, लेकिन जब तक उसे बाहर निकाला जाता, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को इंजन के नीचे से निकलवाकर अपने कब्जे में लिया। उप निरीक्षक मोहन पड़वार ने बताया कि सुदीप की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में हुई लगातार बारिश से खेतों की मिट्टी काफी गीली हो गई है, जिससे ऐसे हादसे होने की आशंका बढ़ गई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। मृतक सुदीप साहू की असामयिक मौत से परिवार और ग्रामीणों में गहरा दुःख है।

### मजदूरों की मौत पर उप मुख्यमंत्री ने किया शोक व्यक्त

**शहडोल।** उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जिले में सीवर लाइन की खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में दो श्रमिकों मुकेश बैगा एवं महिपाल बैगा के दबने से हुए निधन पर गहन दुःख व्यक्त किया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने इस घटना को अत्यंत हृदय विदारक बताया। उन्होंने दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिजनों को यह वज्र समान पीड़ा सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जिला प्रशासन को पीड़ित परिवारों को शीघ्र सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

## 20 बिंदुओं पर मांगा जवाब, पेंट घोटाले में शिक्षा विभाग की भूमिका पर उठे सवाल

# जेडी ने डीईओ को भेजा नोटिस, 22 जुलाई डेडलाइन तय

शहडोल में शिक्षा विभाग का पेंट घोटाला महज कुछ दीवारों पर रंग नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था पर काला धब्बा बन चुका है। लाखों रुपये के इस घोटाले में जहां प्राचार्य से लेकर डीईओ तक की भूमिका संदिग्ध है, वहीं कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति और जांच के नाम पर लीपापोती का दौर चल रहा है। पूरे मामले में कलेक्टर कार्यालय की निष्क्रियता और शिक्षा विभाग की चुप्पी सवालों के घेरे में है।

**शहडोल।** प्रदेश के बहुचर्चित पेंट घोटाले में कार्रवाई की बजाय अब जांच के नाम पर समय काटने और फाइलों को इधर-उधर घुमाने का खेल चल रहा है। प्रदेश भर में चर्चित इस मामले में शासन स्तर से आई फटकार के बाद शिक्षा विभाग हरकत में तो आया, लेकिन जो जांच टीम गठित की गई है, उसके सदस्यों की निष्ठा और स्वतंत्रता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। संयुक्त संचालक शिक्षा उमेश सिंह धुर्वे ने करीब 15 दिन पूर्व 6 सदस्यों की जांच टीम बनाई थी, जिसमें प्राचार्य से लेकर बीईओ और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल किए गए थे। इस टीम ने सुधाकर कंस्ट्रक्शन के संचालक, विद्यालयों के प्राचार्य और जिला शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मारपाची सहित कई संबंधितों के बयान लिए हैं और कुछ दस्तावेजों को संकलित कर नस्तीबद्ध किया है।

22 जुलाई तक जवाब देने का अल्टीमेटम संयुक्त संचालक धुर्वे ने बताया कि डीईओ फूल सिंह मारपाची को पहले भी एक पत्र भेजा गया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। 18 जुलाई को दोबारा पत्र भेजा गया है और इस बार लगभग 20 बिंदुओं पर जवाब मांगा गया है। 22 जुलाई अंतिम तिथि तय की गई है, उसके बाद यदि संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

### जांच से तकनीकी विशेषज्ञ को हटाया गया

गठित जांच दल में तकनीकी परीक्षण के लिए इंजीनियर राजा पाण्डेय को शामिल किया गया था, लेकिन जांच शुरू होते ही भ्रष्टाचार के मुख्य आरोपित अरविंद पाण्डेय ने डीईओ के माध्यम से राजा पाण्डेय को हटाने का दबाव डलवाया। उन पर द्वेष रखने का आरोप लगाया गया। इसके बाद इंजीनियर ने स्वयं को अलग करने का पत्र भी दिया और उन्हें टीम से हटा दिया गया। परंतु आश्चर्य की बात यह है कि तकनीकी पुष्टि के लिए किसी अन्य विशेषज्ञ को अब तक नहीं जोड़ा गया। इस पूरे मामले में सबसे गंभीर सवाल यह उठता है कि जब मुख्य आरोप जिला शिक्षा अधिकारी पर है, तो उनके अधीनस्थ ही उनकी जांच कैसे कर सकते हैं? जांच समिति में शामिल सभी सदस्य डीईओ के अधीन काम कर रहे हैं। यह कार्यप्रणाली न केवल निष्पक्षता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि इसे जांच का मजाक भी बना देती है।

### दो में से एक निलंबित, दूसरा

पेंट घोटाले से जुड़े सकंदी और निपनिया विद्यालयों में से सकंदी के प्राचार्य सुग्रीव प्रसाद शुक्ला को निलंबित कर दिया गया है, लेकिन निपनिया के राधिक प्रसाद पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। और तो और, शासकीय दस्तावेजों में यह उलझन साफ देखी जा सकती है कि राधिक प्रसाद 16 अप्रैल से ही सकंदी में प्राचार्य के रूप में पदस्थ हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जांच करने वाले खुद भ्रम में हैं या भ्रम फैलाने की रणनीति बना चुके हैं?

### डीईओ पर कार्रवाई के लिए कोई सक्षम नहीं?

डीईओ फूल सिंह मारपाची प्रथम श्रेणी के अधिकारी हैं, जिन पर कार्रवाई का अधिकार न कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के पास है, न ही संयुक्त संचालक के पास। ऐसे में यदि इनके विरुद्ध कोई ठोस कदम उठाना है, तो वह प्रस्ताव कमिश्नर को भेजना होगा। लेकिन दुखद यह है कि अब तक न कलेक्टर कार्यालय और न ही संयुक्त संचालक की ओर से कोई प्रस्ताव तैयार किया गया है।

### निष्क्रियता से सड़ा पूरा सिस्टम

पेंट घोटाले की जांच जिस प्रकार से की जा रही है, उससे यह स्पष्ट हो जाता है कि पूरे मामले को जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है। जांच टीम की नियुक्ति से लेकर तकनीकी पुष्टि की अनदेखी और आरोपी डीईओ के अधीनस्थों द्वारा ही जांच - यह सब प्रशासनिक मंशा पर सवाल खड़े करता है। कलेक्टर कार्यालय की निष्क्रियता और शिक्षा विभाग का ढुलमुल रवैया इस बात की गवाही देता है कि व्यवस्था खुद भ्रष्टाचार के साथ खड़ी है।

### अरविंद मतलब शिक्षा विभाग में सबकुछ

कहते हैं, कुछ लोग जन्म से ही खास होते हैं, लेकिन अरविंद पाण्डेय ने तो खास होने की परिभाषा ही बदल दी है। वे रमसा (राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान) के कर्मचारी जरूर हैं, पर विगत कई वर्षों से जिला शिक्षा कार्यालय में अटैच होकर ऐसा स्थायी सिंहासन बना चुके हैं, जिसे न कोई शासन हिला सकता है, न ही प्रशासन। कलेक्टर बदलते रहे, कमिश्नर आते-जाते रहे, संयुक्त संचालक आते हुए थके और जाते वक्त घुटने टेकते गए, लेकिन अरविंद पाण्डेय, वहीं के वहीं, अडिग और अपराजेय, वर्षों से एक ही कुर्सी पर विराजमान अरविंद पाण्डेय को देख अब लोग कहने लगे हैं, 'यदि ब्रह्मा ने एक बार शहडोल के शिक्षा विभाग की रचना की होती, तो 'अरविंद पाण्डेय' नामक पद पहले से ही सृजित होता। यह एकमात्र ऐसा पद है, जिसे कोई नियम, कोई स्थानांतरण आदेश, कोई अटैचमेंट नीति प्रभावित नहीं कर पाई।

# मेडिकल कॉलेज जाने वाला रास्ता बना मौत का रास्ता

### कांटा घर के भारी वाहनों और गैस पाइपलाइन खुदाई से बिगड़ी हालत, एंबुलेंस तक हो रही बाधित

**शहडोल।** जिले के मेडिकल कॉलेज अस्पताल तक पहुंचने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों लोगों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन गया है। बरसात के चलते मार्ग पर कीचड़ और गड्ढों की भरमार हो गई है, वहीं कांटा घर के पास भारी वाहनों की लगातार आवाजाही ने हालात और भी बदतर बना दिए हैं। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज, डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ का आना-जाना होता है, लेकिन जगह-जगह जलभराव, दलदल और ट्रैफिक जाम ने आवागमन को जोखिम भरा बना दिया है। कई बार गंभीर मरीजों को भी समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका, जिससे उनकी जान पर बन आई।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मेडिकल कॉलेज के सामने स्थित कांटा घर में 24 घंटे भारी ट्रकों का आना-जाना होता है, जिससे सडक़ पर कीचड़ फैल गया है और गड्ढों की संख्या बढ़ गई है। संचालक द्वारा सडक़ के बिल्कुल किनारे तक निर्माण कार्य कर लिया गया है, जिससे मार्ग और भी संकरा हो गया है। हमारे लिए अस्पताल तक पहुंचना अब एक चुनौती बन गया है। जरा सी बारिश के बाद फिसलन और दलदल इतना हो जाता है कि बाइक तक फंस जाती है, एक स्थानीय निवासी ने बताया। हाल ही में गैस पाइपलाइन बिछाने वाली एजेंसी द्वारा सडक़ किनारे की गई खुदाई ने स्थिति को और भी गंभीर कर दिया है। अस्पताल के एक कर्मचारी ने कहा गड्ढों को ठीक से बंद नहीं किया गया है, जिससे कई जगह सडक़ धंस गई है और बड़े वाहन फंस जाते हैं। इसका सीधा असर मरीजों और एंबुलेंस की आवाजाही पर पड़ रहा है। दिन में तीन से चार बार लंबा जाम लगना आम बात हो गई है। कई बार एंबुलेंस भी जाम में फंस जाती हैं, जिससे मरीजों की हालत और बिगड़ जाती है। स्थानीय लोग इस स्थिति के लिए प्रशासन और जिम्मेदार विभागों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद कोई समाधान नहीं निकाला गया है। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से लोगों ने मांग की है कि मेडिकल कॉलेज जैसे अति आवश्यक संस्थान तक पहुंचने वाले मार्ग की शीघ्र मरम्मत की जाए, कांटा घर से भारी वाहनों की आवाजाही पर नियंत्रण लगाया जाए और गैस पाइपलाइन खुदाई के बाद सडक़ को तत्काल दुरुस्त किया जाए। जब तक ठोस कार्यवाही नहीं होती, तब तक मरीजों और उनके परिजनों की जिंदगी खतरे में बनी रहेगी।

## नाबालिगों के हाथों में वाहन, दुर्घटनाओं को न्योता स्कूल प्रबंधन

# सेंट एलायसियस स्कूल के बाहर अव्यवस्था

**शहडोल।** शहर के नामी शिक्षण संस्थान सेंट एलोशियस स्कूल के बाहर इन दिनों भयावह स्थिति बन गई है। हर सुबह और दोपहर जब स्कूल में प्रवेश और छुट्टी का समय होता है, तो मुख्य द्वार के आसपास बाइक और स्कूटी का अंबार लग जाता है। हैरान करने वाली बात यह है कि इन वाहनों को चलाने वाले अधिकांश छात्र नाबालिग होते हैं, जिनकी उम्र 13 से 16 वर्ष के बीच है। यह न सिर्फ कानून का उल्लंघन है, बल्कि एक बड़े खतरे को भी न्योता देता है। स्कूल आने-जाने के लिए कई छात्र-छात्राएं बाइक, स्कूटी या अन्य दुपहिया वाहनों का उपयोग कर रहे हैं। यह दृश्य रोजमर्रा का हो गया है, जहां कक्षा 8वीं से 11वीं तक के बच्चे बिना ड्राइविंग लाइसेंस, बिना हेलमेट और बिना ट्रैफिक नियमों की जानकारी के वाहन दौड़ाते हैं। इससे न केवल उनकी अपनी जान खतरे में पड़ती है, बल्कि सडक़ पर चलने वाले अन्य राहगीरों और छोटे बच्चों की भी सुरक्षा खतरे में आ जाती है। हाल के दिनों में स्कूल के पास कई बार मामूली दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें छात्र खुद गिर गए या दूसरों को टक्कर मार बैठे। इन घटनाओं में कई बच्चे चोटिल हो चुके हैं, लेकिन न स्कूल प्रशासन ने ठोस कदम उठाए और न ही ट्रैफिक पुलिस ने कोई स्थायी समाधान निकाला। यह स्थिति तब और भी गंभीर हो जाती है जब अभिभावक खुद अपने बच्चों को वाहन चलाने की छूट देते हैं। नाबालिग बच्चों को

बाइक, स्कूटी देना न केवल ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन है, बल्कि उनके जीवन से सीधा खिलवाड़ भी है। कई बार देखा गया है कि माता-पिता खुद बच्चों को स्कूल के पास स्कूटी चलाना सिखा रहे होते हैं या उनसे गाड़ी मंगवाते हैं। बच्चों में स्पीड और स्टंट का शौक होता है, और यह लापरवाही किसी भी दिन एक बड़ी त्रासदी का कारण बन सकती है।

### स्कूल प्रबंधन की अनदेखी

सेंट एलोशियस जैसे बड़े स्कूल से अपेक्षा की जाती है कि वह छात्रों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखेगा। लेकिन यहां स्कूल प्रबंधन ने भी आंखें मूंद रखी हैं। स्कूल गेट के पास कोई गार्ड व्यवस्था नहीं, पार्किंग के लिए कोई निर्धारित स्थान नहीं और ना ही वाहन लेकर आने वाले छात्रों के खिलाफ कोई आंतरिक कार्रवाई होती है। स्कूल यदि चाहे तो एक सर्कुलर जारी कर अभिभावकों को सख्त हिदायत दे सकता है कि कोई भी छात्र बिना लाइसेंस के वाहन न चलाए, लेकिन ऐसा कोई प्रयास सामने नहीं आया।

### ट्रैफिक पुलिस सिर्फ हाईवे तक सीमित

शहर की यातायात व्यवस्था भी इस समस्या के लिए कम दोषी नहीं है। ट्रैफिक पुलिस की उपस्थिति केवल नेशनल हाईवे या प्रमुख चौराहों तक सीमित है। स्कूलों, कॉलेजों और रिहायशी इलाकों में उनकी कोई सक्रियता नहीं दिखती। यदि स्कूल के बाहर नियमित रूप से चेकिंग की जाए, चालानी कार्रवाई हो और नियमों का पालन सख्ती से कराया जाए, तो ऐसी समस्याओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

# विद्यालय आने के लिए विद्यार्थियों को करे प्रेरितः उपायुक्त

### विद्यार्थियों की 75 प्रतिशत से उपस्थिति कम न हो, प्राचार्य रखे ध्यान

**शहडोल।** उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग जे. पी. यादव ने संभाग के समस्त प्राचार्य विशिष्ट संस्थाएं, उ.मा.वि., हाईस्कूल, जनजातीय कार्य विभाग को पत्र जारी कर कहा है कि प्रतिमाह विद्यार्थी एवं पालक को माह में शाला लगने के कुल दिवस तथा विद्यार्थी के उपस्थिति दिवस की सूचना प्रदान कर पावती भी प्राप्त करें, अगले माहों की उपस्थिति भी जोडक़र सूचित किया जाए, कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों से कक्षा शिक्षक प्रतिमाह के अंत में चर्चा करेंगे तथा उन्हें सूचित कर विद्यार्थी की उपस्थिति बढाने के लिए प्रेरित करें। विद्यार्थियों को कक्षाओं में यह स्पष्ट रूप से अवगत कराया जाए कि सत्र के अंत तक 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है, अन्यथा बोर्ड उन्हें प्राइवेट विद्यार्थी के रूप में मान्य करेंगा, इसलिए 75 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति रहे। जिन विद्यार्थियों की उपस्थिति अंतिम तीन माह के पूर्व 75 प्रतिशत से कम पाई जाती है, उन्हें आगामी तीन माह में शत-प्रतिशत शाला दिवसों पर उपस्थित होने के लिए प्रेरित करें, ताकि विद्यार्थी प्राइवेट न हो सके। यह निर्देश केवल बोर्ड परीक्षा के लिए नहीं बल्कि है समस्त कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए लागू होंगे। सभी कक्षाओं में विद्यार्थियों को कक्षा एवं कालखण्डों में अधिकतम उपस्थिति के लिए प्रेरित किया जाए। इसके लिए अन्य जो भी प्रयास किए जा सकते हैं उन्हें किया जाकर सुनिश्चित करें कि जिन विद्यार्थियों की नियमित रूप से विद्यालय में प्रवेश लिया है, उनमें से किसी भी विद्यार्थी की 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति न हो। उन्होंने कहा कि विद्यालय न आने वाले विद्यार्थियों से शिक्षक चर्चा करें तथा विद्यालय आने के लिए उन्हें प्रेरित करें।

# शहडोल सीवरेज हादसे पर गरमाई सियासत

### कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना, 23 जुलाई को आंदोलन का ऐलान

**शहडोल।** सीवरेज लाइन परियोजना के दौरान हुई दर्दनाक दुर्घटना में दो मजदूरों की मौत के बाद सियासत गरमा गई है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने इस हादसे को लापरवाही नहीं, बल्कि 'हत्या' करार देते हुए प्रदेश सरकार और प्रशासन की चुप्पी पर तीखा हमला बोला है। श्री गुप्ता ने कहा कि सीवरेज निर्माण कार्य गुजरात की पीसी स्नेहल ग्रुप नामक कंपनी को सौंपा गया है, जो बीते चार वर्षों से परियोजना में लापरवाही बरत रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अहमदाबाद की यह कंपनी शहडोल को खंडहर में बदल चुकी है, लेकिन भाजपा सरकार उसे बचाने में लगी है। क्या गुजरात से आई इस कंपनी को जान लेने का लाइसेंस मिल गया है? हादसे के बाद भी न तो एफआईआर दर्ज हुई, न ही कोई गिरफ्तारी।

### मजदूरों की मौत को बताया हत्या

कांग्रेस अध्यक्ष श्री गुप्ता ने बताया कि तेज़ बारिश के बीच दलदली इलाके में खुदाई करवा रहे दादूराम उर्फ महिपाल बैगा उम्र 37 वर्ष और लालू बैगा उम्र 36 वर्ष मिट्टी धंसने से दब गए और कई घंटे तक मदद की गुहार लगाते रहे। कंपनी के कर्मचारियों ने मदद नहीं की, राहत कार्य तीन घंटे बाद शुरू हुआ। अगर समय रहते बचाव दल पहुंचता, तो जानें बच सकती थीं। कांग्रेस अध्यक्ष ने इसे 'हत्या' बताते हुए कंपनी डायरेक्टर, साइट इंजीनियर और प्रशासनिक अधिकारियों पर धारा 302 के तहत मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

### अधूरा प्रोजेक्ट बना शहर के लिए खतरा

2021 में शुरू हुआ सीवरेज प्रोजेक्ट मार्च 2024 तक पूरा होना था, लेकिन आज तक अधूरा है। शहर की अधिकांश सडक़ें और गलियां खुदी पड़ी हैं। जलभराव, कीचड़ और गंदगी ने नागरिकों का जीना मुश्किल कर दिया है। यह परियोजना विकास नहीं, अब मौत का दलदल बन चुकी है, सरकार आंख मूंदे बैठी है।

### कांग्रेस की चार प्रमुख मांगें

मृतकों के परिजनों को 1-1 करोड़ का मुआवजा।
परिवार के एक-एक सदस्य को शासकीय नौकरी।
जिम्मेदारों पर हत्या का मामला दर्ज हो।
पूरे मामले की न्यायिक जांच हो।

### 23 को अंबेडकर चौक पर आंदोलन

कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि 48 घंटे में सरकार ठोस कार्रवाई नहीं करती, तो 23 जुलाई को अंबेडकर चौक पर उग्र आंदोलन किया जाएगा। यह सिर्फ मजदूरों की मौत नहीं, शहडोल की आत्मा का कत्ल है। कांग्रेस हर वर्ग की आवाज बनकर अन्याय के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ेगी। कांग्रेस पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और उन्हें न्याय दिलाने के लिए हरसंभव कदम उठाएगी।

# युवक की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या

### धनहरी गांव में दहशत का माहौल, दो घंटे में अस्पताल में तोड़ा दम

**उमरिया।** कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम धनहरी में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक और सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां 38 वर्षीय वाहन चालक जगदम्बा सिंह की अज्ञात हमलावरों ने लाठी-डंडों से पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी। मृतक मूल रूप से ग्राम अमड़ी का निवासी था, लेकिन बीते कुछ समय से वह धनहरी में अपने मामा के घर रहकर वाहन चलाने का कार्य कर रहा था। खबर है कि घटना गुरुवार देर रात की है। जगदम्बा सिंह हाल ही में किसी दूसरे शहर से गांव लौटा था। उसी रात अज्ञात बदमाशों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने उसे गंभीर रूप से घायल अवस्था में सडक़ किनारे देखा और तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उपचार के दौरान दो घंटे में ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मरचुरी में रखवाया गया। दोपहर लगभग 3 बजे पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही उन ग्रामीणों से भी पूछताछ की जा रही है जो घायल युवक को अस्पताल लेकर पहुंचे थे। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मृतक अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी निभाने के लिए गांव में रहकर वाहन चलाने का कार्य करता था। उसकी इस नृशंस हत्या से गांव में शोक के साथ-साथ आक्रोश का माहौल है। ग्राम तामन्नारा से सटे धनहरी गांव में भय व्याप्त है और ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। इस वारदात ने एक बार फिर कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक गांव का माहौल सामान्य नहीं हो सकता। फिलहाल पुलिस हर पहलु की बारीकी से जांच कर रही है और शीघ्र ही मामले का खुलासा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

## खबर संक्षेप

### नगर पालिका अध्यक्ष ने नागरिकों एवं स्वच्छता मित्रों का जताया आभार

**उमरिया।** भारत सरकार ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के परिणाम घोषित कर कर दिए । स्वच्छ सर्वेक्षण के परिणाम घोषित होने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रश्मि सिंह ने नागरिकों के सहयोग के लिए का आभार व्यक्त किया। नगर पालिका उमरिया ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे देश भर में से 70 वीं रैंक हासिल की । 20 हजार से 50 हजार की जनसंख्या वाली नगर पालिका जिनमें भारत देश के 1585 शहर शामिल हुए उनमें से उमरिया ने यह मुकाम हासिल किया। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रश्मि सिंह ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह सफलता शहर के नागरिकों, स्वच्छता मित्रों, स्वच्छता टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा, यह रैंक हमारी मेहनत को प्रमाणित करती है, लेकिन यह हमारे लिए एक चुनौती भी है हमें और अधिक मेहनत कर उच्चतम स्थान हासिल करना है।

### चार नगरीय निकाय 1 स्टार एवं ओडीएफ प्लस घोषित

**उमरिया।** परियोजना अधिकारी जिला शहरी एवं विकास अभिकरण ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के परिणाम 17 जुलाई को घोषित हुए, जिसमें रीवा-शहडोल संभाग में उमरिया जिले की सभी निकायों को (उमरिया, पाली, नौरोजाबाद और चंदिया) जीएफसी 1 स्टार एवं ओडीएफ$$ का प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है। संभाग में लगातार दूसरे वर्ष भी उमरिया जिला अपना पहला स्थान में बना रहा । उमरिया, नौरोजाबाद एवं चॅदिया निकाय को इस वर्ष भी 1 स्टार ही प्राप्त हुआ, जबकि पाली निकाय को इस वर्ष 1 स्टार प्राप्त हुआ है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में नौरोजाबाद निकाय को 25000 तक की जनसंख्या वाले शहरों में फास्ट मूविंग सिटी का पहला अवार्ड मिला था । जिले की सभी 4 निकायों की दो वर्षों की रैंकिंग इस प्रकार रही ।

### दहेज की मांग को लेकर घर से भगाने का आरोप लगाकर दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज

**हरिभूमि न्यूज कोतमा।** थाना अंतर्गत गढ़ी गांव निवासी तारा 33 वर्ष को ससुराल में रहने वाले पति केदार एवं परिजनों द्वारा दहेज में मोटरसाइकिल एवं सोने, चांदी के गहनों की मांग को लेकर घर से भगाने का आरोप लगाते हुए दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया गया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने पति केदार साहू, ससुर बिसाहू साहू , सांस, चाचा ससुर कमलेश एवं देवर तीरथ के खिलाफ धारा 85,296, 115 (2) 351 (3) बीएनएस में मामला दर्ज किया गया है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि महिला का विवाह वर्ष 2009 में हुआ था दो बेटियां भी हैं पिछले कई वर्षों से ससुराल पक्ष में पति सहित अन्य परिजनों द्वारा दहेज कम लाने को लेकर आए दिन प्रताड़ना देते हुए धमकी एवं मारपीट किया जाता रहा। दहेज लाने पर ही घर में रहने को मिलेगा। ससुराल में लगातार प्रताड़ना से तंग आकर थाना में मामला दर्ज कराया गया। पुलिस के द्वारा विवेचना की जा रही है।

## रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन में युवा संगम रोजगार मेला संपन्न

# मेले में 46 युवाओं को उपलब्ध कराया गया रोजगार

**उमरिया।** युवाओं को रोजगार से जोडऩे के लिए तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग व्दारा प्रत्येक माह के तीसरे शुक्रवार को युवा संगम रोजगार मेला आयोजित किया जाता है । मेले में स्थानीय एवं बाहरी कंपनियां व रोजगार आकांक्षी युवा सहभागिता कर रोजगार के अवसर प्राप्त करते है । उक्त आशय के विचार महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र दिनेश मर्सकोले ने रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन उमरिया में आयोजित युवा संगम रोजगार मेला कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए ।
जिला रोजगार अधिकारी अमन दुबे ने कहा कि युवाओं को रोजगार से जोडऩे के लिए प्रदेश सरकार कृत संकल्पित है । सरकार की मंशा अनुरूप युवा संगम रोजगार मेला आयोजित किया जाता है, जहां पर युवक एवं युवतियां अपनी योग्यंता अनुसार एक छत के नीचे विभिन्न कंपनियों के माध्यम से रोजगार प्राप्त सकते है ।
युवा संगम रोजगार मेले को संबोधित करते हुए जिला किशोर स्वास्थ्य समन्वयक बुधराम राहंगडाले ने कहा कि कक्षा दसवीं के बाद से ही टर्निंग प्वाइंट आफ लाइफ शुरू हो जाता है जिसमें कक्षा 11वीं में विषय का चयन महत्वपूर्ण होता है जिसके आधार पर छात्र-छात्राएं

अपने आगे का कैरियर तय कर पाते हैं जिला किशोर स्वास्थ्य समन्वय द्वारा बताया गया कि जीवन की योजना तैयार करने अहम भूमिका परिवार के साथ मिलकर तैयार करें इसमें कि आपके कैरियर को सपोर्ट करने के लिए परिवार के सदस्य अपनी मानसिक एवं वित्तीय व्यवस्थाओं के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए आपका सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को मेले में आए कंपनियां के चयन एवं उनके मापदंड आधार व्यक्तिगत कौशल आधार पर ज्वाइन करने हेतु कहां गया । उन्होंने युवाओं की मानसिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए मनहित ऐप एवं टोल फ्री नंबर 14416 पर परामर्श सेवाएं लेने हेतु उपस्थित प्रतिभागियों को बताया । उमंग स्वास्थ्य क्लिनिक में परामर्श दाताओं के माध्यम से करियर काउंसलिंग के संबंध में चर्चा की । मेले में एसआईएस अनूपपुर कंपनी से संजय बिसेन ने भी उपस्थित युवक युवतियों को कंपनी व्दारा प्रदाय की जा रही गार्ड ट्रेनिंग की जानकारी दी।
कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती जी के तैल चित्र पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया । युवा संगम मेले में स्वास्थ्य विभाग व्दारा युवक एवं युवतियों के स्वास्थ्य की जांच भी गई तथा दवाईयों का वितरण किया गया । मेले में 46 युवको को रोजगार उपलब्ध कराया गया । रोजगार पाने वाले युवक युवतियों को अतिथियों व्दारा शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई । इस अवसर पर डा प्रियंका गुप्ता, कलावती बर्मन, डा सुनीता सिंह, सुर्ती कुशवाहा काउंसलर, सुरेश कोरी, किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता चंदिया राकेश चौधरी मानपुर से पूनम मिश्रा एवं पाली से पवन मेहरा उपस्थित रहे।

## मास्टर प्रशिक्षक की कार्यशाला एवं क्षमता वर्धन कार्यक्रम संपन्न

**उमरिया।** राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत ग्राम स्तर पर कार्यरत मास्टर प्रशिक्षक की क्षमता वर्धन हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.व्ही.एस.चंदेल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में राष्ट्रीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन एवं ग्राम स्तर पर जागरूक करने हेतु निर्देशित किया गया । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा वर्तमान में किशोर किशोरियों के मानसिक स्वास्थ्य को स्वस्थ बनाए रखने हेतु मनहित ऐप एवं टोल फ्री नंबर 14416 के प्रचार प्रसार हेतु निर्देशित किया गया जिससे कि ग्राम स्तर पर ब्रिगेड मेंबर्स को अधिक से अधिक कवरेज किया जा सके । उन्होंने स्लिप हाइजीन डीप स्लीप सेलो स्लिप एवं स्ट्रेस मैनेजमेंट के गुण सिखाए । उनके द्वारा मनकक्ष में अधिक से अधिक किशोर किशोरियों को आवश्यकता अनुसार रेफर करने हेतु निर्देशित किया गया ।
जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर एस बी चौधरी द्वारा कार्यक्रम के परिचय देते हुए बताया गया कि किशोर एवं किशोरियों को शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक रूप से सजक एवं जागरूक किया जाना आवश्यक है जिससे कि किशोरावस्था ही आने वाला भविष्य है । उन्होंने संतुलित पोषण आहार मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु एवं परिवार नियोजन के संबंध में उपस्थित प्रतिभागियों क्षमता वर्धन किया । जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ मुकुल तिवारी द्वारा राष्ट्रीय कार्यक्रमों की जानकारी एवं ग्राम स्तर पर आवश्यकता अनुसार आशा सुपरवाइजर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं ब्लॉक कम्युनिटी मोबिलाइज के समन्वय से राष्ट्रीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु सहयोग करने की अपेक्षा किया गया उन्होंने राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम, 100 दिवस निश्चय शिविर, परिवार कल्याण कार्यक्रम के संबंध में जागरूक किया ।
कार्यशाला में संभागीय समन्वयक समीर सिंह परिहार द्वारा एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत उपस्थित प्रतिभागियों को आई एफ ए टैबलेट के उपयोग एवं एनीमिया के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया । जिला नोडल अधिकारी मास्टर प्रशिक्षकों के कार्य को सजकता एवं सफल संचालन हेतु निर्देशित किया गया जिला समन्वयक द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को रिपोर्ट राइटिंग एवं रिकॉर्ड कीपिंग कार्य योजना बनाए जाने के गुण सिखाए गए कार्यशाला में दर्शन महिला कल्याण समिति के परियोजना समन्वयक मुनीम साहू एवं समस्त मास्टर प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

## अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस पर किया गया साक्षरता शिविर का आयोजन

**उमरिया।** मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जिला न्यायाधीश/ अध्यक्ष उमरिया विवेक कुमार गुप्ता के निर्देशन एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी बी.डी दीक्षित के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शासकीय कन्या विद्यालय, शासकीय बॉयज विद्यालय पाली,ग्राम पंचायत मुदारिया पंचायत भवन परिसर, शासकीय हाई विद्यालय मुदारिया में अंतराष्ट्रीय न्याय दिवस का औचित्य, मूल अधिकार, मूल कर्तव्य विषय एवं नालसा बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाऐं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाऐं 2015, नालसा एसिड हमले के पीड़ितों के लिए विधिक सेवा योजना 2015,पास्को एक्ट के संबंध में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जिला विधिक सहायता अधिकारी बी.डी दीक्षित ने बताया कि बच्चों के साथ जाति, रंग, लिंग, भाषा, धर्म अथवा वंश के आधार पर भेद भाव किए बिना बच्चों को स्वस्थ, स्वतन्त्र व गौरवपूर्ण परिस्थिति में उनका शारीरिक, मानसिक, नैतिक, आध्यात्मिक तथा सामाजिक विकास हो इसके लिए शासन द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन पर जोर दिया जा रहा है। लैगिंक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के आलोक में बच्चों को सही

दिशा में चलने के लिए उन्होने महत्वपूर्ण प्रावधानों की चर्चा की आगे उन्होंने कहा कि बचपन जीवन का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है यह वह समय है जब मस्तिष्क में परिवार समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने पन की भावना निर्मित होती है। उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर बच्चे अपने जीवन में उन्नति करें प्रगति करे। शिविर में उन्होंने बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में बताया जिसमें जीने का अधिकार, विकास का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, संरक्षण का अधिकार तथा भागीदारी के अधिकार पर चर्चा की गई।
पैरालीगल वालंटियर हिमांशु तिवारी ने साइबर लॉ एवं मोबाइल तथा इंटरनेट प्रयोग करने में बरती जाने वाली सावधानियों से बच्चों को अवगत कराया तथा अच्छे से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सहायता अधिकारी बी.डी दीक्षित, विद्यालय के प्राचार्य महेंद्र मिश्रा, कन्या विद्यालय प्राचार्य रामशरण द्विवेदी, शिक्षिका ममिता बिल्थरे,पैरालीगल वालंटियर हिमांशु तिवारी,विद्यालय विद्यार्थी रश्मि तिवारी, मनीष कुमार मीना, सोनू प्रसाद गौर, आनंद तिवारी,अमित कुमार लोधी, सुश्री श्रद्धा गोस्वामी, आशा चौधरी एवं विद्यालय के लगभग 700 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## रामनगर पुलिस ने की 2017 से फरार स्थायी वारंटी की तामीली

**हरिभूमि न्यूज रामनगर।** पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी कोतमा के मार्गदर्शन में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना रामनगर पुलिस द्वारा वर्ष 2017 से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है। प्रकरण क्रमांक 188/17, धारा 452, 294, 323, 506 भा.दं.वि. में पंजीबद्ध मामले में न्यायालय कोतमा के प्रकरण क्रमांक 741/17 में आरोपी रमाशंकर चौधरी पिता स्वर्गीय रामकरण चौधरी उम्र 38 वर्ष निवासी पतेराटोला थाना रामनगर के विरुद्ध स्थायी वारंट जारी किया गया था। पुलिस टीम द्वारा आरोपी की लगातार तलाश की जा रही थी। विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर थाना रामनगर की टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी रमाशंकर चौधरी को घेराबंदी कर पकड़ा गया है। उक्त कार्यवाही थाना रामनगर प्रभारी सुमित कौशिक की टीम प्रधान आरक्षक सनत द्विवेदी, प्रधान आरक्षक राहुल प्रजापति, प्रधान आरक्षक योगेंद्र मिश्रा, आरक्षक अनुराग सिंह, आरक्षक अनुराग भार्गव एवं आरक्षक मुमताज खान की सराहनीय भूमिका रही।

# जेईएम हायर सेकेंडरी स्कूल जमुना के बच्चों को बस की सौगात

**हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।** जिले के कोयलांचल नगरी थाना भालूमाडा के जमुना कॉलोनी में वर्षों से संचालित जे ई एम हायर सेकेंडरी स्कूल जमुना कॉलोनी में जहां पर की उच्च क्वालिटी की शिक्षा बच्चों को प्रदान की जाती है और आसपास के इलाकों से बच्चों को पहले लाने और ले जाने के लिए कालरी द्वारा बस की सुविधा उपलब्ध कराई जाती थी लेकिन समय बीतते गया और कालरी कर्मचारी सेवानिवृत्ति हो गए होते गए जिससे उनकी संख्या काफी कम हो गई और कालरी प्रबंधन ने बस सुविधा को बंद कर दिया जिससे बच्चों को दूर दराज से आने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था। इस बात को गंभीरता से लेते हुए विद्यालय समिति ने बस चलाने का निर्णय लिया है जिसे आज पूरा कर दिया गया। 18 जुलाई को विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नरेश शर्मा, सचिव लाल बहादुर जायसवाल, शैलेंद्र सिंह व विद्यालय स्टाफ के द्वारा पूजा अर्चना कर नए बस को हरी झंडी दिखाकर शुरुआत की गई है जिससे दूर दराज से आने वाले बच्चों को इसका लाभ मिलेगा और वह आसानी से विद्यालय पहुंचकर शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे विद्यालय समिति के अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराना है जिसके लिए उन्हें किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े इसी कड़ी में यह एक पहल है और आगे भी अच्छी से अच्छी सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। उक्त कार्य में श्री शर्मा ने बताया कि विद्यालय समिति के साथ-साथ विद्यालय स्टाफ और अभिभावकों का भरपूर सहयोग मिल रहा है और विद्यालय निरंतर शिक्षा के क्षेत्र में बुलंदियों को प्राप्त कर रहा है यह सभी के सहयोग से संभव है।

## 20 एवं 21 जुलाई को भालूमाडा में आयोजित होगी विशाल दंगल प्रतियोगिता

### विभिन्न प्रदेशों के पहलवान उतरेंगे मैदान में

**हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा।** नगर पालिका परिषद पसान के भालूमाडा में 20 एवं 21 जुलाई को आयोजित हो रहे दंगल में विभिन्न प्रदेशों के पहलवान पहुंच रहे हैं इस दंगल का आयोजन नगर पालिका परिषद पसान के द्वारा किया जा रहा है नगर पालिका पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह ने बताया कि आयोजित होने वाले विशाल दंगल में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश की टीमों का दंगल कुश्ती महिला पुरुष के पहलवानों आमंत्रित किया गया है। नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह ने क्षेत्र की जनता से अपील की है कि रामलीला मैदान भालूमाड़ा में दोपहर 12 बजे से आयोजित होने वाले दंगल में सभी लोग पहुंचकर पहलवानों का उत्साह आवर्धन करें और दंगल का भरपूर आनंद उठाएं।

## खबर संक्षेप

### मुख्यमंत्री को भेजा स्मरण पत्र

**ब्यौहारी।** मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ व्यवहारी ब्लॉक इकाई द्वारा प्रांता अध्यक्ष शलभ भदोरिया के निर्देशानुसार मुरैना अधिवेशन में 6 सूत्रीय ज्ञापन मुख्यमंत्री को दिया गया था जिसमें पत्रकार सुरक्षा कानून एवं अन्य को लेकर 15 जुलाई को स्थानीय विश्राम गृह व्यवहारी पत्रकार संघ के साथियों द्वारा पोस्टकार्ड के माध्यम से मुख्यमंत्री को स्मरण पत्र भेजा सभी साथियों ने पत्र लिखकर मुख्यमंत्री को उनका वादा याद दिलाया इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष डॉ अशोक तिवारी, साथी आर पी तिवारी , साथी सूर्यभान यादव ,मोहम्मद फाखिर चांद, विकास यादव विकास नामदेव उपस्थित थे।

### जनपद पंचायत के कंप्यूटर ऑपरेटर का निधन

**ब्यौहारी।** कंप्यूटर ऑपरेटर अरुण पटेल पिता रामदयाल पटेल निवासी आखेटपुर का ऑफिस में काम करते हुए 10:30 बजे हार्ट अटैक से निधन हो गया वह 40 वर्ष के थे ।मिलनसार एवं अमृतवासी होने के कारण क्षेत्र में शोक का माहौल है सूचना मिलने पर जनपद पंचायत के अध्यक्ष एवं स्टाफ के लोगों ने उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किए। क्षेत्र के विधायक शरद कोल, आकांछी सिंह जनपद अध्यक्ष एवं जनपद सीईओ विजय सिंह जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र पटेल ने शोक व्यक्त किया।

### नशा मुक्ति के लिए चलाया अभियान, दिलाई शपथ

**कटनी।** नशा मुक्ति अभियान के तहत नशे से दूरी है जरूरी कार्यक्रम के तहत पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्म के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डेहरिया तथा अनुविभागीय अधिकारी स्लीमनाबाद श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी स्लीमनाबाद अखलेश दाहिया द्वारा 17 जुलाई को सीएम राइस स्कूल में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों के बीच जाकर उन्हें नशे से दूरी है जरूरी विषय को समझाया गया, साथ ही नशे से होने वाली आर्थिक, शारीरिक, मानसिक व सामाजिक नुकसान को विस्तृत रूप से बच्चो के संवाद रखा गया। नशे से होने वाली दैनिक जीवन में आने वाली परेशानी को बच्चो से प्रश्नोत्तर के माध्यम से समझाया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। स्कूल में उपस्थित प्रधान अध्यापक, अध्यापकों ने नशा मुक्ति जागरूक अभियान का स्वागत करते हुए शपथ ली कि " न ही मैं नशा करूंगा न ही करने दूंगा, इससे अपने घर, परिवार, कुटुंब, समाज को बचाऊंगा। बच्चों को नशे से दूर रहने हेतु प्रेरणादाई विडियोज भी दिखाए गए एवं स्कूल के आस पास के पान गुटका के टपरा वालो को टपरा हटाने की सख्त हिदायत दी गई।

## आजाद चौकः विकास की अनदेखी या प्लानिंग की विफलता?

# धनपुरी के हृदय स्थल पर जलभराव बना संकट

**धनपुरी नगर का दिल कहे जाने वाला आजाद चौक, इन दिनों बदहाली का प्रतीक बनता जा रहा है। बरसात का पानी यहां जमा होता है। जलनिकासी की कोई ठोस व्यवस्था न होने और हाल ही में गिट्टी डस्ट डालकर किए गए अस्थायी सुधार कार्य ने स्थिति और बिगाड़ दी है।पहले जहां पानी भरता था, अब कीचड़ और फिसलन नहीं होता था जब से डस्ट डाला गया है आम जनजीवन को मुश्किल में डाल दिया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह सब नगर पालिका के लाखों-करोड़ों के बजट के बावजूद हो रहा है।**

समस्या की जड़ः खराब योजना और असंवेदनशील कार्यप्रणालीनगर पालिका हर वर्ष करोड़ों रुपये का बजट पेश करती है, जिसमें सड़क मरम्मत, जलनिकासी और सफाई जैसे बिंदुओं को प्राथमिकता दी जाती है। फिर भी जब मुख्य चौराहे की यह हालत है, तो वार्डों की दशा स्वतः स्पष्ट है।बिना स्थल परीक्षण के डस्ट डालना, केवल एक 'समस्या ढकने' वाला कदम साबित हुआ है। नागरिकों का कहना है कि यह सिर्फ खानापूर्ति है, जो हर मानसून से पहले देखने को मिलती है, और हर मानसून में बेनकाब हो जाती है। जनजीवन पर असर जलभराव और कीचड़ से बचने के लिए स्कूली बच्चे और बुजुर्ग रास्ते में फिसलने, कीचड़ की घटना का शिकार हो रहे हैं।

**एक सवाल जो नगर पालिका से पूछा जाना चाहिएः**
जब नगर के सबसे प्रमुख चौराहे पर ही विकास नहीं दिखता, तो बाकी हिस्सों में क्या उम्मीद करें?

**निष्कर्षः** आजाद चौक की समस्या सिर्फ एक भौगोलिक जगह की नहीं, बल्कि एक प्रशासनिक असफलता और नागरिक सुविधाओं की अनदेखी का प्रतीक बन गई है। नगर पालिका को अब जनहित में तात्कालिक नहीं, बल्कि दूरदर्शी और जिम्मेदार कार्य करना होगा।

## लीनेस क्लब बुढ़ार में पूर्व अध्यक्षों का सम्मान

### क्लब के समर्पित नेतृत्व की हुई सराहना, अध्यक्ष मोनिका अग्रवाल ने जताया आभार

**धनपुरी।** लीनेस क्लब बुढ़ार द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 13 जुलाई को एक गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन कर क्लब के सभी पूर्व अध्यक्षों को सम्मानित किया गया। समारोह में वर्तमान अध्यक्ष मोनिका अग्रवाल ने पुष्प गुच्छ और उपहार भेंट कर पूर्व अध्यक्षों के योगदान के लिए आभार प्रकट किया।

### सम्मानित हुए ये पूर्व अध्यक्ष

कार्यक्रम में स्नेहलता गुप्ता, शैला गुप्ता, साधना अग्रवाल, रजनी जैन, ज्योति खनूजा, नागमणि मानिकपुरी, अंजना जैन, ज्योति सिंह बघेल,अंजू अग्रवाल, प्रतिमा जैन और अर्चना ओझा सहित सभी पूर्व अध्यक्षों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। उपस्थित जनों में आरती खंडेलवाल आरती खनूजा अंजू दुआ उपस्थित रहे। अध्यक्ष का संबोधन, अध्यक्ष मोनिका अग्रवाल ने कहाःजिस प्रकार आप सभी ने क्लब का गौरव बढ़ाया है, हम उसी प्रेरणा से कार्य करते हुए क्लब को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प लेते हैं। आप सभी हमारे पथप्रदर्शक हैं।ः

### स्मृतियों में कैद हुआ यादगार पल

सभी पूर्व अध्यक्षों को सम्मान स्वरूप न केवल पुष्प और उपहार भेंट किए गए, बल्कि एक सामूहिक फोटो सत्र भी आयोजित किया गया, जो इस ऐतिहासिक आयोजन को स्मरणीय बना गया।

### समर्पण और सेवा की मिसाल

कार्यक्रम में मौजूद सभी सदस्यों ने क्लब के अनुशासित, सेवा-भाव से ओतप्रोत वातावरण की सराहना की। पूर्व अध्यक्षों ने भी क्लब की निरंतर प्रगति पर प्रसन्नता जताई और वर्तमान टीम को शुभकामनाएँ दीं।

### नवाचार व निरंतरता का प्रतीक

लीनेस क्लब बुढ़ार सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को आगे बढ़ाते हुए समाज में सकारात्मक योगदान देता आ रहा है। यह आयोजन उसी परंपरा का सशक्त उदाहरण है।

## भाजपा मंडल अध्यक्ष के लिए दावेदारों की कतार, संगठन नहीं तय कर पा रहा नाम

**ब्यौहारी।** भाजपा संगठन का चुनाव महीना बीत गए प्रदेश अध्यक्ष अध्यक्ष का भी चुनाव हो गया। अब सब की नजरे ब्यौहारी- के भाजपा मंडल अध्यक्ष की ओर हैं की ब्यौहारी- मंडल अध्यक्ष कौन बनता है दावेदारों में भी देखें तो आधा दर्जन नाम अपनी लविंग में जुटे हुए और और व्यवहारी से शहडोल भोपाल तक से अपनी पैरवी करवा रहे हैं अपने-अपने आकाओं के माध्यम से अपने नाम के समर्थन मांग रहे हैं क्षेत्र के नेता भी यह चाहते हैं हमारा व्यक्ति मंडल अध्यक्ष बने से हमारा दबदबा कायम रहे और संगठन में अपने लोगों को स्थान दिलवा सके । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंडल अध्यक्ष के दावेदारों में देखा जाए तो विनय गुप्ता मोनू अभी संगठन में उपाध्यक्ष इनका नाम दावेदारों की सूची में चल रहा , इसके अलावा ओमप्रकाश सोनी पूर्व मंडल अध्यक्ष हैं वह भी चाह रहे हैं कि फिर से मुझे कमान मिले लेकिन उन्हें विधायक का समर्थन नहीं मिल पा रहा है इसलिए इनके बनने की संभावना न के बराबर है विधायक के खेमे से कृष्ण गोपाल शुक्ला मोनू एवं गौरव सिंह गोल्डी को विधायक की पसंद माना जा रहा है , खेमेबाजी से दूर एक नाम भाजपा के पूर्व युवा मोर्चा के अध्यक्ष सौरभ शुक्ला का भी,है जो काफी समय से संगठन में काम कर रहे हैं और सांसद डॉ राजेश मिश्रा, विमलेश मिश्रा वरिष्ठ भाजपा नेता का समर्थन प्राप्त है एवं संगठन का अच्छा अनुभव रखते हैं विद्यार्थी परिषद में भी काम कर चुके हैं उनके नाम के लिए विधायक भी अपनी सहमति दे सकते हैं , पुष्पेंद्र पटेल अभी पूर्व जिला मंत्री है इस बार मंडल अध्यक्ष बनना चाह रहे हैं, महिला में यदि देखा जाए तो नीता साहू कुछ समय से भाजपा में सक्रिय उनके पति ग्राम पंचायत के सचिव वह एक एनजीओ भी चलाती हैं , अब देखना यह है कि भाजपा संगठन किसके नाम पर मोहर लगता है मिली जानकारी के अनुसार जल्दी ही भाजपा के मंडल अध्यक्ष की घोषणा होने वाली है।

## प्रौढ़ के साथ मारपीट कर बदमाशों ने 5 लाख लूटे

**कटनी।** बाइक सवार एक प्रौढ़ के साथ लूट की घटना हो गई। बदमाशों ने प्रौढ़ के साथ मारपीट करते हुए लाखों रूपए लूटे और फरार हो गए। घायल वृद्ध को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लूट की यह घटना बहोरीबंद थाना क्षेत्र में बीती शाम हुई। बताया जाता है कि प्रौढ़ जब भवन निर्माण कराने के लिए बैंक से रुपए निकाल कर घर वापस जा रहा था, इसी दौरान शाम लगभग 7:30 से 8 बजे के बीच ककरहटा पुल के पास 6 बदमाशों ने उसे रोक लिया और मारपीट करते हुए रुपए वाला बैग छीन लिया। घटना के बाद घायल वृद्ध को इलाज के लिए शासकीय जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बहोरीबंद पुलिस ने पीड़ित घायल के बयान दर्ज करते हुए अग्रिम कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। जानकारी के अनुसार पनागर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम इमलिया निवासी 56 वर्षीय हुकुम सिंह पिता भगवान सिंह ने कहा कि वह 15 जुलाई को घर से ढाई लाख रूपए लेकर सेंट्रल बैंक गया और वहां पर उसने बैंक से भी ढाई लाख रुपए भवन निर्माण के लिए निकलवाए। घर से लाए रुपए एवं बैंक से निकाले गए रुपए मिलाकर उसके पास कुल 5 लाख रुपए मौजूद थे। जब वह शाम 7:30 से 8:00 के बीच बहोरीबंद थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित अपने पैतृक ग्राम पाकर जा रहा था इसी दौरान ककरहटा पुल के पास 6 लोगों ने उसे रास्ते में रोक लिया और मारपीट करते हुए रूपयों से भरा बैग छीन कर भाग गए। मारपीट एवं लूटपाट का शिकार हुए वृद्ध को इलाज के लिए शासकीय जिला अस्पताल कटनी में भर्ती कराया गया है।

## मिनी वाटर कूलर महाविद्यालय को नपा अध्यक्ष ने सौंपा

### छात्रों को शीतल शुद्ध पेय जल मिलेगा पीने को

**बुढार।** प्रधानमंत्री एक्सीलेंस आंफ शासकीय नेहरू महाविद्यालय के छात्रों को शीतल शुद्ध पेय जल पीने के लिए नगर परिषद अध्यक्ष के द्वारा मिनी वाटर कूलर मशीन महाविद्यालय को सौंपा है।पिछले वर्ष वार्षिक उत्सव कार्यक्रम के दौरान छात्रों के पानी पीने के लिए वाटर कूलर लगाने की घोषणा नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी के द्वारा मंच से की गई थी और उनके द्वारा महाविद्यालय के लिए मांग रखने पर त्वरित आश्वासन दिया था।सरल सहज व्यक्तित्व की धनी, समाज सेवा में अग्रणी रहने वाली, महिला नेत्री नगर परिषद बुढार की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी के द्वारा उदारता दिखाते हुए छात्र-छात्राओं को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता हेतु मिनी एक वाटर कूलर प्रदान किया है।महाविद्यालय प्राचार्य एवं कालेज परिवार के द्वारा उन्हें इस पुनीत कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती गंगा मिश्रा,जनभागीदारी अध्यक्ष नीलेश जैन, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अनिल कुमार उपाध्याय, डॉ राधेश्याम नापित, डॉ अनूप सेन, डॉ मनोज कुजूर, डॉ एन मानिकपुरी, आशुतोष तिवारी, संजय नैनानी, काजल सरावगी एवं छात्र छात्राओं भी उपस्थित रहे।

## बंगवार कॉलोनी की ओर जाने वाले रोड पर गिरा यूकेलिप्टस का पेड़, 24 घंटे बाद भी नहीं हटाया, हादसे की आशंका

**धनपुरी। बंगवार कॉलोनी (भूमिगत माइंस) की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर बुधवार दोपहर बड़ा हादसा टल गया, जब अमलाई ओसीएम कच्ची सड़क को जोड़ने वाले मोड़ के पास एक विशाल यूकेलिप्टस का पेड़ सड़क पर आ गिरा। तेज बारिश के चलते मिट्टी गीली हो गई, जिससे पेड़ जड़ से उखड़कर जमीन से सड़क पर आ गिरा।**

इस अचानक गिरे पेड़ के कारण आवाजाही कुछ समय के लिए पूरी तरह बाधित हो गई थी। बाद में लोग किसी तरह पेड़ के किनारे से निकलने लगे, परंतु 24 घंटे से अधिक बीतने के बावजूद अब तक पेड़ को सड़क से नहीं हटाया गया है।

**धंसी मिट्टी और दबती सड़क बढ़ रहा खतराः** पेड़ गिरने के बाद सड़क के किनारे की नई मिट्टी डाली गई है और ढीली हो गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक सड़क के दबने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। ऐसे में वहां से गुजरने वाले भारी वाहनों या दोपहिया चालकों के लिए यह जगह खतरनाक बन चुकी है।

**प्रशासन मौन, जिम्मेदारी तय नहींः** इतना समय बीत जाने के बाद भी संबंधित विभागोंचाहे वह कालरी हो या वन विभाग—की ओर से कोई पहल नहीं की गई है। लोगों में रोष है कि भारी-भरकम पेड़ को हटाने की जिम्मेदारी कोई नहीं ले रहा।

**अनेक पेड़ झुके हुए भविष्य में बड़ा खतराः** स्थानीय लोगों ने बताया कि आस-पास और भी कई यूकेलिप्टस के पेड़ हैं जो सड़क की तरफ झुके हुए हैं। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो भविष्य में ये भी हादसों की वजह बन सकते हैं। **स्थानीय लोगों की मांग, जल्द कार्रवाई होः** क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि पेड़ को जल्द हटाकर आवागमन सुचारु किया जाए, साथ ही सड़क किनारे खतरा बन चुके पेड़ों को काटने या सुरक्षित करने की दिशा में ठोस कदम उठाया जाए।

# वन्यजीव गलियारों के संरक्षण और मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व पर की गई गहन चर्चा

### बांधवगढ़ में दो दिवसीय कॉरिडोर कंजर्वेशन प्लानिंग वर्कशॉप संपन्न

**उमरिया।** मध्य प्रदेश वन विभाग और एनजीओ समूह वाइल्डलाइफ कॉरिडोर के संयुक्त तत्वाधान में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, उमरिया के ताला क्षेत्र में आयोजित दो दिवसीय कॉरिडोर कंजर्वेशन प्लानिंग वर्कशॉप संपन्न हुई।दो दिवसीय कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मध्य भारत में स्थित संजय टाइगर रिजर्व, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और छत्तीसगढ़ के गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व के बीच वन्यजीव गलियारों के संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों की पहचान करना और उन्हें मजबूत बनाना था।

कार्यशाला के पहले दिन, मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक द्वारा कॉरिडोर के संरक्षण और महत्व व आवश्यकता पर जोर दिया गया। विभिन्न अधिकारी, वैज्ञानिक, गैर-सरकारी संगठन के प्रतिनिधियों द्वारा वन्यप्राणी गलियारा के प्रबंधन रणनीति के रखरखाव के साथ टाइगर रिजर्व और क्षेत्रीय डिवीजन से जुड़े गलियारों पर संरक्षण पर जोर दिया गया। कार्यशाला के दूसरे दिन, कॉरिडोर से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न लाइन विभागों के अधिकारियों को आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश वन विभाग के मुख्य वन्य प्राणी अभिरक्षक शुभरंजन सेन और एल. कृष्णमूर्ति अपर प्रधान मुख्य वन सरक्षक वन्य प्राणी मुख्य रूप से उपिस्थत रहे । शुभरंजन सेन ने अपने संबोधन में वन्यप्राणी गलियारों की महत्वपूर्ण जानकारी दी और इन गलियारों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए सभी विभागों के सामूहिक समन्वय और सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में सभी

मिलकर इस समस्या का हल निकालेंगे। कृष्णमूर्ति ने विभिन्न लाइन विभाग को वन विभाग से विकास कार्यों और निर्माण कार्यों को ऑनलाइन आवदेन और अनुमति प्राप्त करने की प्रकिया से अवगत कराया गया । चिन्हित गलियारों में वन्य प्राणी सुरक्षा हेतु विकास कार्यो के साथ आवश्यक उपाय सुनिश्चित करना जरूरी है ।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के उप-संचालक प्रकाश वर्मा ने वन्य प्राणी गलियारों के संरक्षण को वर्तमान परिदृश्य में सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने वन्य प्राणियों के जीन पूल में वृद्धि और उनके स्वच्छंद विचरण के लिए रणनीति तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया, क्योंकि ये गलियारे वन्यप्राणी वृद्धि का विशेष माध्यम हैं, जिनके बिना वन्यप्राणी विकास और सुरक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा गलियारा प्रबंधन हेतु किए जा रहे प्रयासों और नवाचारों से भी अवगत कराया। गुरु घासीदास तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व, छत्तीसगढ़ के संचालक श्री सौरभ सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य से हाथियों का आवागमन इन गलियारों में बढ़ रहा है, जिसके कारण मानव-हाथी द्वंद्व में वृद्धि हो रही है। उन्होंने इस दिशा में मजबूती से काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम किया जा सके और हाथियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

एनजीओ समूह से मुख्य रूप से डब्लू सी टी के वैज्ञानिक डॉक्टर अरुणेश अंगेरिया द्वारा वैज्ञानिक तरीके से रीसर्च और वन्य प्राणी पर प्रभाव आकलन और वन क्षेत्र एव गलियारा सर्वे के उपरांत ही वन्य प्राणी के गलियारों के सुरक्षा हेतु आवश्यक नीति एव उपाय तैयार करना आवश्यक है । इसको दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न विकास कार्य किया जाना तर्कसंगत होगा।

कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 90 गणमान्य अतिथि और प्रतिभागी शामिल हुए। इनमें रीवा सी सी एफ श्री राजेश राय , संचालक हाथी आरक्षित केंद्र सरगुजा छत्तीसगढ़ , संजय टाइगर रिजर्व और गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व के उप-संचालक, सीधी, उत्तर शहडोल और दक्षिण शहडोल के

वनमंडलाधिकारी, विभिन्न वनमंडलों के उप-वनमंडलाधिकारी, एस.एफ.आर.आई. जबलपुर के वैज्ञानिक, वेटनरी डॉक्टर, फील्ड बायोलॉजिस्ट और डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ., डब्ल्यू.आर.सी.एस., डब्ल्यू.टी.आई., टी.सी.एफ., वल्ड टाइगर, डब्ल्यू.सी.सी.आई., डब्ल्यू.सी.टी. जैसे प्रमुख एनजीओ समूहों के प्रतिनिधि, अधिकारीगण और वैज्ञानिक शामिल थे।

कार्यशाला में मल्टी-स्टेकहोल्डर और लाइन विभाग सहयोग के माध्यम से कॉरिडोर प्रबंधन, बुनियादी ढांचे के विकास, और बांधवगढ़, संजय, और गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व के कॉरिडोर को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने पर गहन विचार-विमर्श हुआ। वन्यजीवों को आने वाली चुनौतियों पर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। संजय, बांधवगढ़ और गुरु घासीदास के इन गलियारों में मानव-वन्यप्राणी द्वंद्व की वर्तमान स्थिति और भविष्य में संभावित चुनौतियों पर विशेष चर्चा हुई, ताकि प्रभावी रणनीतियाँ बनाकर उनका समाधान किया जा सके। मध्य प्रदेश में हाथी योजना की वर्तमान स्थिति और भविष्य की योजनाओं की आवश्यकता पर भी बात हुई, जिसमें भविष्य की आवश्यकताओं के आधार पर योजनाओं में अद्यतन करने पर जोर दिया गया। कॉरिडोर में आने वाले मानव-हाथी द्वंद्व प्रबंधन की चुनौतियों और अवसरों पर भी चर्चा हुई, ताकि वर्तमान में रणनीति बनाकर इन समस्याओं का निराकरण किया जा सके।

दूसरे दिन की कार्यशाला में लोक निर्माण विभाग, विद्युत मंडल विभाग, कृषि विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, रेलवे विभाग और राजस्व विभाग के उमरिया, शहडोल एवं सीधी जिले के उपखंड-स्तरीय अधिकारी भी शामिल हुए। विभिन्न लाइन विभाग के अधिकारी ने वन विभाग से मिलने वाले विकास कार्य के अनापत्ति प्रमाण के सम्बंध में अवगत कराया गया । बिजली विभाग द्वारा वन्यप्राणी गलियारा में हाथी के आवागमन क्षेत्र में समन्वय स्थापित कर आवश्यकता पर बिजली बंद करने और विद्युत तार की ऊँचाई पर कर टाइट करने का कार्य किया जा रहा है । व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से मॉनिटर किया जा रहा है । इसी तरह अन्य लाइन विभाग द्वारा चर्चा में अवगत कराया गया कि पहले से काफी समन्वय स्थापित किया जा चुका है । वन्यप्राणी गलियारा में वन्यप्राणी के आवागमन पर आवश्यक सहयोग किया जा रहा है । कार्यक्रम का समापन क्षेत्र संचालक और उप संचालक महोदय द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर किया गया। कार्यशाला का सफल आयोजन डॉ. अनुपम सहाय, क्षेत्र संचालक, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के निर्देशन में, प्रकाश वर्मा उप-संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मार्गदर्शन में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, उमरिया के सभी उप वनमंडल अधिकारी, सभी परिक्षेत्र अधिकारी और सभी वन कर्मचारियों के सहयोग से संपन्न हुआ।

## जिले में 8.5 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 8.5 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर में 1.5 मिली मीटर, कोतमा में 6 मिली मीटर, बिजुरी में 14.2 मिली मीटर, जैतहरी में 14.8 मिली मीटर, वेंकटनगर में 20.3 मिली मीटर, पुष्पराजगढ़ में 5.2 मिली मीटर, अमरकंटक में 2 मिली मीटर तथा बेनीबारी में 3.6 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई।

## सीड योजना के तहत प्रदान की जाएगी निःशुल्क कोचिंग

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** शासन द्वारा विमुक्त, घुमंतू और अर्ध घुमंतू समुदाय के विद्यार्थियों के लिए सीड योजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं यूपीएससी, एमपीपीएससी, आरआरबी, क्लैट, जेईई, नीट, सीएटी, सीएमएटी, एनडीए आदि की पूर्व तैयारी हेतु निःशुल्क कोचिंग की सुविधा प्रदान की जाती है। योजना के तहत निःशुल्क ऑनलाईन और रूम कोचिंग के लिए पात्र विद्यार्थी 03 अगस्त 2025 तक आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए डीएनसी, एनसी या एसएनसी श्रेणी से संबंधित ऐसे छात्र-छात्राएं जो कक्षा 12वीं उत्तीर्ण कर चुके हों या वर्तमान में अध्ययनरत हैं और परिवार की वार्षिक आय आठ लाख रू से अधिक ना हो, वह विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने वाले विद्यार्थी किसी अन्य सरकारी योजना से समान लाभ प्राप्त ना कर रहे हों। कोचिंग शुल्क हेतु अधिकतम 1,20,000 रू की राशि प्रदान की जाएगी। आवेदन हेतु आवेदक के पास आधार कार्ड, पासपोर्ट साईज फोटो, वर्तमान क्लास का प्रमाण, पिछली कक्षा का रिजल्ट, आय प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक और एनटी या डीएनटी प्रमाण पत्र होना जरूरी है। विद्यार्थी को वेबसाईट पर आवेदन करना होगा।

## निगमायुक्त ने देर रात कंट्रोल रूम का किया औचक निरीक्षण

**कटनी।** नगर में लगातार हो रही बारिश को दृष्टिगत रखते हुए सार्वजनिक मार्गों एवं बस्तियों में जलभराव की समस्या के त्वरित निराकरण एवं नागरिकों के आवागमन की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए निगमायुक्त नीलेश दुबे ने देर रात नगर निगम के कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण कर संलग्न कर्मचारियों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। निगमायुक्त ने रात्रिकालीन ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को तत्परता के साथ कंट्रोल रूम दूरभाष ने प्राप्त जलभराव से संबंधी शिकायतों से क्षेत्रीय अधिकारी एवं कर्मचारियों को अवगत कराते हुए तत्परता के साथ शिकायतों का निराकरण कराने हेतु निर्देशित किया गया।

### राष्ट्रीय राजमार्ग - 43 में कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा, विभाग बना उदासीन

# बड़े हादसे के इंतजार मे विभाग, टोल टैक्स पूरा पर सड़क आज भी अधूरी

### बरसात के दिनों में सड़क पर हो गए गड्ढे में भर रहा पानी, नजर नही आ रहे गड्ढे

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा।** राष्ट्रीय राजमार्ग एन एच 43 का सफर खतरों से भरता जा रहा है। अनूपपुर से मनेद्रगढ़ हाईवे की सड़क पर जगह-जगह गड्ढों के साथ ही उभर आई दरारे और कई पुलियों के बीच बने गड्ढों से कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। कई जगहों पर सड़क पर बनी दरारें और गड्ढों को भरने के लिए काम चलाओ तरीके से थेगडी लगाए गए थे जो वाहनों की धमक से उखड़ चुके हैं। कोतमा से बेलिया फाटक एवं अनूपपुर से कोतमा के बीच सड़क में एक दर्जन से अधिक जगहों पर हाईवे की टूटी-फूटी सड़क विभागीय हीला- हवाली की पोल खोल रहे हैं। अनुपपुर से बदरा के बीच गोडहारी पुलिया में बीचों बीच गड्ढा हो गया है जिसके मरम्मत कार्य करवाये जाने विभागीय अधिकारियों का ध्यान ही नहीं जा रहा है।

### टोल टैक्स पूरा पर सड़क अधूरी

सड़क पर चलने वाले लोगों का कहना है कि जब टोल टैक्स के नाम पर लाखों करोड़ों रुपए की वसूली की जा रही है तो सड़क की मरम्मत क्यों नहीं कराई जा रही है। हाईवे में अनूपपुर से कोतमा के बीच साथ ही कोतमा नगर से बाहर निकलते ही वन डिपो के पास एवं राष्ट्रीय राजमार्ग एन एच 43 कोतमा से मनेद्रगढ़ जाने वाले रास्ते में भारत पेट्रोलियम टंकी के आगे पुल के ऊपर सहित कोतमा बिजुरी जानें वाले रास्ते में कई जगह छोटे-छोटे गड्ढे बन गये हैं। साथ ही बेलिया फाटक फ्लाई ओवर ब्रिज से लेकर टोल प्लाजा तक कई जगह सड़क में दरारें आ गई है। एमपी आरडीसी विभाग के द्वारा इन गड्ढों को भरने के लिए सीमेंट से पैच वर्क कराया गया था लेकिन हर बार सीमेंट भरने के बाद कुछ ही

दिन में उखड़ जाते हैं। कई जगह सड़कों पर दरारें दिखनी शुरू हो गई हैं। संबंधित एजेंसी के ठेकेदार द्वारा इस गड्ढे को भरने के लिए एवं दरार भरने के लिए पैच वर्क नहीं कराया गया जिसके कारण सड़क उखड़ चुके हैं।

### गड्ढे बन रहे दुर्घटना का कारण

अनूपपुर से कोतमा मार्ग होते हुए बेलिया फाटक की दूरी लगभग 52 किलोमीटर है जिसमें लगभग दो दर्जन से अधिक सड़कों पर दरारें एवं गड्ढे होने के कारण दो पहिया वाहन चालकों को दुर्घटना का अंदेशा होने के साथ ही वाहनों के पहिए अनबैलेंस होने लगते हैं जिसके कारण कोई बड़ी दुर्घटना कभी भी घटित होने का अंदेशा बना हुआ है। पहले भी इन गड्ढों के कारण कई दुर्घटना घटित हो चुकी हैं जिसके बाद भी किसी भी प्रकार कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

### यात्री प्रतीक्षालय के साथ पानी की व्यवस्था नहीं

अनूपपुर से मनेद्रगढ़ एन एच 43 मार्ग में पहले जो सड़क के किनारे यात्री प्रतीक्षालय बनाए गए थे वह पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं जिससे आवागमन करने वाले यात्रियों को सड़क के किनारे बरसात के दिनों में बैठना पड़ता है, वहीं लोगों को पहले हैंड पंप के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाता था लेकिन सड़क बनने के बाद हैंड पंप को उखाड़ दिया गया है जिससे वहां से गुजरने वाले लोगों को पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है और लगातार यात्री परेशान होते जा रहे हैं। जिसकी व्यवस्था भी विभाग द्वारा नहीं कराई जा रही है, और बसों में यात्रा करने वाले यात्री लगातार परेशान हो रहे हैं।

### दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण

अनूपपुर साधा से बेलिया फाटक तक सड़क की स्थिति यह हो गई है कि सड़क कहीं कहीं दो भागों मे बटती नजर आ रही है बीच से सड़क अलग अलग हो गई है। कहीं तो सड़क में दरार साफ दिखाई दे रही है तो वहीं बदरा के आगे गोडहारी पुल एवं कोतमा के पास भारत पेट्रोलियम पंप के आगे पुल के बीचोंबीच जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। बारिश का मौसम होने के कारण पानी गड्ढों मे भर जाता है जिसके कारण वाहन चालकों को ये गड्ढे नजर ही नही आते हैं जिसके कारण हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। विभाग को इससे कोई लेना-देना नही है। अगर समय रहते हाइवे सड़क की मरम्मत नही करवाई गई तो कभी भी कोई बड़ा हादसा घटित हो सकता है।

### इनका कहना

कुछ दिन पहले ही सड़क पर पड़ी दरारों को भरा गया है, यदि सड़क पर गड्ढे हो गए हैं तो मैं तत्काल ही निरीक्षण करा कर गड्ढे की मरम्मत कार्य करवाये जाने के निर्देश देता हूं।
**आनंद प्रसाद, जीएम एनएचएआई**
**सड़क निर्माण विभाग कटनी**

## एक बगिया मां के नाम के चयनित हितग्राहियों व पंचायत अमले की आयोजित हुई कार्यशाला

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए मनरेगा के माध्यम से ''एक बगिया मां के नाम'' परियोजना अंतर्गत फलदार पौधरोपण का कार्य प्रदेश में 15 अगस्त से अभियान के रूप में शुरु होगा, जो 15 सितम्बर तक चलेगा। ''एक बगिया मां के नाम'' परियोजना के अंतर्गत आजीविका मिशन के स्वसहायता समूहों की ऐसी महिला सदस्य जो फलदार पौधरोपण करने की इच्छुक चयनित कर संबंधित ग्रामों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक की कार्यशाला का आयोजन जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत मनौरा में आयोजित किया गया। कार्यशाला में जनपद पंचायत जैतहरी के अध्यक्ष राजीव सिंह, जिला पंचायत के मनरेगा परियोजना अधिकारी राघवेन्द्र पटेल, आजीविका मिशन के जिला परियोजना समन्वयक शशांक प्रताप सिंह, उद्यान विस्तार अधिकारी, मनरेगा के सहायक कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला में शिप्री सॉफ्टवेयर से स्थल, प्रजाति, पौधरोपण समय की उपयुक्तता निर्धारण, स्वसहायता समूह की महिला सदस्यों की स्वयं परिवार की 0.5 से 1 एकड़ की भूमि पर फलोद्यान का विकास, हितग्राही चयन, लक्ष्य, जलकुण्ड, पौधरोपण की सुरक्षा, निगरानी आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी अधिकारियों द्वारा दी गई।

## फुटबॉल प्रतियोगिता में पुलिस ने नशा मुक्ति की दिलाई शपथ

**हरिभूमि न्यूज राजेन्द्रग्राम।** खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और सुधारने का एक प्रभावी माध्यम भी बन सकता है। इसी सोच को साकार करते हुए एसडीओपी नवीन तिवारी एवं थाना प्रभारी राजेन्द्रग्राम एस.पी. शुक्ला ने ग्राम परसेल कला में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में पहुंचकर नशा मुक्ति जनजागृति अभियान की एक नई मिसाल पेश की है। पुलिस अधिकारियों ने खिलाड़ियों और ग्रामवासियों के साथ घुल-मिलकर संवाद किया और नशे के खिलाफ मुहिम की शुरुआत की। युवाओं को समझाया गया कि नशा केवल शरीर

को ही नहीं, पूरे परिवार और समाज को खोखला करता है। फुटबॉल जैसे खेल युवाओं को अनुशासन, फिटनेस और टीम भावना सिखाते हैं, जो जीवन को सफल बनाने के लिए आवश्यक गुण हैं। खेल के शुभारंभ से पूर्व सभी खिलाड़ियों, दर्शकों और ग्रामीणों को सामूहिक रूप से नशा न करने की शपथ दिलाई गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यदि युवा नशे से दूर रहें और खेलों में रुचि लें, तो उनका भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान सिर्फ एक संदेश नहीं, बल्कि एक बदलाव की शुरुआत है। पुलिस की यह भागीदारी सिर्फ कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने यह भी दिखाया कि समाज के साथ जुड़कर ही सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। परसेल कला जैसे गांव में नशे के खिलाफ इस प्रकार की जन-जागरूकता पुलिस और समाज के बीच विश्वास की नई डोर बुन रही है।

## खनिज प्रतिष्ठान मद से उच्च प्राथमिकता वाले कराए जाएंगे विशेष कार्य

### कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल की बैठक हुई आयोजित वित्तीय वर्ष 2024-25 के वार्षिक प्रतिवेदन का किया गया अनुमोदन

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** कलेक्टर व जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल के अध्यक्ष हर्षल पंचोली की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में जिला खनिज प्रतिष्ठान न्याय मंडल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खनिज प्रतिष्ठान मद वर्ष 2024-25 अंतर्गत उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में खनिज प्रतिष्ठान मद के अंतर्गत कुल 71.65 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई है। इसमें से 3 प्रतिशत राशि शासन को प्रेषित करने के पश्चात अनूपपुर जिले को शेष 69.50 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इस राशि का उपयोग जिले में 120 प्रकार के विभिन्न विकास कार्यों के लिए किया जाएगा।

### यह रहे बैठक मे उपस्थित

बैठक में मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, विधायक पुष्पराजगढ़ फुन्देलाल सिंह मार्को, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडेय, नगरपालिका पसान के अध्यक्ष रामअवध सिंह, नगर परिषद डूमरकछार के अध्यक्ष सुनील चौरिसिया, नगरपालिका बिजुरी की अध्यक्ष श्रीमती शहबिन पनिका, नगरपालिका कोतमा के अध्यक्ष अजय सराफ, नगर परिषद बरगवां की अध्यक्ष श्रीमती गीता गुप्ता, नगर परिषद जैतहरी के अध्यक्ष उमंग गुप्ता, नगर परिषद डोला के उपाध्यक्ष रविशंकर तिवारी, उप संचालक खनिज श्रीमती आशालता वैद्य सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

### जल्द उपलब्ध कराएं उच्च प्राथमिकता के कार्यों का प्रस्ताव

बैठक में कलेक्टर व जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल के अध्यक्ष ने बताया कि जिले में पेयजल व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं, विद्युत आपूर्ति, शासकीय स्कूलों की मरम्मत, आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण, पुस्तकालय, बाउंड्री वॉल, भवन सुधार एवं प्रयोगशाला की स्थापना, विद्यालयों में शौचालय निर्माण तथा सड़कों का निर्माण जैसे कार्यों को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में इन कार्यों का संतुलित रूप से वितरण एवं क्रियान्वयन किया जाए ताकि सभी क्षेत्रों में विकास कार्यों का लाभ समान रूप से मिले। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र के उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों का प्रस्ताव जल्द से जल्द तैयार कर उपलब्ध कराएं। बैठक में मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा कि खनिज प्रतिष्ठान मद से प्राप्त राशि का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों की मूलभूत सुविधाओं के विकास में किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में पुल-पुलिया, रपटा जैसे संरचनात्मक कार्यों को प्राथमिकता दी जाए। ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु मंच, विद्यालयों में फर्नीचर एवं शौचालय तथा आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण व मरम्मत कार्य भी आवश्यक हैं। साथ ही, विद्युतविहीन गांवों में विद्युत आपूर्ति की समुचित व्यवस्था की जाए। राज्यमंत्री जायसवाल ने कहा कि इन कार्यों के माध्यम से ग्रामीणों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार संभव होगा।

### विवि से छग सीमा को जोड़ने वाले सड़क निर्माण की मांग

बैठक में पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने न्यास मंडल को अवगत कराया कि विधानसभा क्षेत्र पुष्पराजगढ़ के अंतर्गत 75 आंगनवाड़ी केंद्र भवन मरम्मत योग्य हैं तथा कुछ केंद्रों के लिए नवीन भवन निर्माण की आवश्यकता है। उन्होंने इन कार्यों को उच्च प्राथमिकता पर लेकर शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की मांग की। साथ ही उन्होंने मैकल पर्वत क्षेत्र अंतर्गत अमरकंटक विश्वविद्यालय से छत्तीसगढ़ सीमा को जोड़ने वाले सड़क निर्माण कार्य हेतु प्रशासकीय स्वीकृति की मांग भी की। बैठक में जिले के सभी नगरीय निकायों के अध्यक्षों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं पर ध्यान आकर्षित किया और इनके निराकरण हेतु विभिन्न विकास कार्यों की मांग की। इस पर कलेक्टर व न्यास मंडल के अध्यक्ष ने कहा कि उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों के प्रस्ताव शीघ्र प्रेषित किए जाएं, ताकि संबंधित कार्यों हेतु प्रशासकीय स्वीकृति की शीघ्र कार्यवाही कराई जा सके। बैठक में अन्य विकासात्मक एवं प्रशासनिक विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल के सदस्य-सचिव तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने खनिज प्रतिष्ठान मद अंतर्गत उपलब्ध राशि के उच्च प्राथमिकता एवं अन्य आने वाले कार्यों पेयजल, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण, कौशल विकास, स्वच्छता, भौतिक अवसंरचना, सिंचाई, ऊर्जा एवं वाटरशेड विकास के अंतर्गत लिए जाने वाले कार्यों के संबंध में तथा न्यास मंडल के कार्यों की स्वीकृति आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। जिला खनिज प्रतिष्ठान अनूपपुर के वित्तीय वर्ष 2024-25 के वार्षिक प्रतिवेदन का अनुमोदन जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल की बैठक में सर्व सम्मति से प्रदान किया गया।

## जेवरात एवं नकदी से भरा पर्स ट्रेन में छूटा, पुलिस ने तलाश कर किया वापस

**हरिभूमि न्यूज: कटनी** रेल यात्रा के दौरान एक महिला यात्री का पर्स ट्रेन में छूट गया जिसमें लाखों रूपए के जेवरात एवं नकदी रूपए थे। रेलवे पुलिस की तत्परता से पर्स वापस मिल गया। मामला 29 जून 2025 का है, जब ट्रेन नंबर 13202 एलटीटी-पटना जनता एक्सप्रेस के ए-2 कोच में सफर कर रही जबलपुर निवासी एक महिला यात्री का कीमती सामान ट्रेन में छूट गया था। जानकारी के अनुसार, गोरखपुर थाना क्षेत्र की रतन कॉलोनी निवासी 68 वर्षीय शशि अबरोल पत्नी बीएम अबरोल का सोने के जेवरात और नगदी से भरा पर्स ट्रेन में छूट गया था। महिला के अनुसार, पर्स में सोने की चेन, अंगूठी, कान के टॉप्स, नाक की कीलें और लगभग 5000 रूपए नकद कुल कीमत लगभग दो लाख रुपये बताई गई। इस बीच, प्लेटफॉर्म ड्यूटी पर तैनात रेलवे पुलिस के प्रआर. राघवेन्द्र शर्मा को ड्यूटी के दौरान उक्त पर्स मिला। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए ऑन ड्यूटी टिकट चेकिंग स्टाफ (टीसी) की मदद से पीएनआर नंबर से महिला का मोबाइल नंबर प्राप्त कर उनसे संपर्क साधा। संपर्क के बाद महिला को कटनी रेलवे थाना बुलाया गया, जहां उन्होंने अपने पर्स और उसमें रखे जेवरातों की पहचान की। संतुष्टि के बाद प्रआर. राघवेन्द्र शर्मा द्वारा 17 जुलाई को महिला यात्री को उनका सामान विधिवत सुपुर्द किया गया।

## महेन्द्र सिंह परिहार पुनः बने फुनगा भाजपा मंडल उपाध्यक्ष

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** भारतीय जनता पार्टी अनूपपुर जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के अनुमोदन पर जिले के अनूपपुर विधानसभा अंतर्गत भाजपा मंडल फुनगा के स्थानीय भाजपा मंडल में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। जिसमे पूर्व मे भी उपाध्यक्ष का दायित्व संभाल चुके महेन्द्र सिंह परिहार को पुनः फुनगा मण्डल से उपाध्यक्ष का दायित्व दिया गया है। मंडल अध्यक्ष मुकेश पटेल ने कहा कि नई कार्यकारिणी भारतीय जनता पार्टी की नीतियों के अनुरूप काम करेगी। संगठन की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए काम करेंगे। ज्ञात हो कि महेन्द्र सिंह संगठन के निष्ठावान कार्यकर्ता हैं, इनके पुराने संगठन के प्रति निष्ठा ईमानदारी को देखते हुये पुनः दायित्व दिया गया है। इनके नियुक्ति पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं व कार्यकर्ताओं ने बधाई प्रेषित की है।

**कार्यालय नगर परिषद डोला जिला अनूपपुर म.प्र.**
office: Municipal Council Dola, Dt-Anuuppur (M.P.) E-mail-cmodola@mpurban.gov.in Phone-9630206418
क्र./ 835 /न.परि./लोक.नि./ई-टेण्डर / 2025 **निविदा विज्ञप्ति प्रथम आमंत्रण** जैतहरी दिनांक 18/07/2025
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्यों हेतु एस.ओ.आर. 02.08.2021 के अनुसार प्रतिशत दर पर ऑनलाईन निविदाएं केन्द्रीकृत प्रणाली समतुल्य/ सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मो एवं ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदा दरें आमंत्रित की जाती है।

| क्रं. | ऑनलाईन टेण्डर क्रमांक | कार्य का नाम | अनुमानित लागत | अमानत राशि | निविदा प्रपत्र शुल्क | समयावधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 818/E-TENDER/Nagar Parishad Dola Anuppur 2025_UAD_438156_1 | CONSTRUCTION OF CC ROAD FROM NH 43 MAHABALI HOTELTO NEERAJ DUBEY SHOP AT WARD NO 11 | Rs. 20,37,598 Lakh | Rs. 15,281/- | Rs. 5000/- | 03 Month |
| 02 | 819/E-TENDER/Nagar Parishad Dola Anuppur 2025_UAD_438185_1 | CONSTRUCTION OF CC ROAD FROM KUDKU MOHLLA TO LALLA KOL HOUSE AT WARD NO 09/11 | Rs. 21,28,994 Lakh | Rs. 15,967/- | Rs. 5000/- | 03 Month |
| 02 | 820/E-TENDER/Nagar Parishad Dola Anuppur 2025_UAD_438191_1 | CONSTRUCTION OF CC ROAD FROM SURENDRA HOUSE TO AADHRAM AT WARD NO 01 | Rs. 3,72,735 Lakh | Rs. 3,727/- | Rs. 2000/- | 03 Month |

1- उल्लेखित कार्यों के निविदाओं का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है । 2- ऑनलाइन निविदा ( 2025_UAD_438156_1) प्रपत्र क्रय करने का दिनांक 18.07.2025 समय 11:00 से 18.08.2025 समय 17:30 बजे तक निर्धारित है । 3- ऑनलाइन निविदा ( 2025_UAD_438185_1 ) प्रपत्र क्रय करने का दिनांक 18.07.2025 समय 11:00 से 18.08.2025 समय 17:30 बजे तक निर्धारित है । 4- ऑनलाइन निविदा ( 2025_UAD_438191_1 ) प्रपत्र क्रय करने का दिनांक 18.07.2025 समय 11:00 से 04.08.2025 समय 17:30 बजे तक निर्धारित है । निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन किये जाने पर समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा । निविदा में किया गया संशोधन वेबसाईट पर देखा जा सकता है ।
**मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद डोला जिला अनूपपुर (म.प्र.)**